PUBLICATION NAME :	**Rashtriya Sahara**
EDITION :	**Delhi**
DATE :	**31/3/2022**
PAGE :	

वर्ल्ड मार्केट इंटेलिजेंस नेटवर्क बनेगा

■ इससे निर्यात को मिलेगा बढ़ावा ■ एमएसएमई को मिलेंगे नए बाजार

■ एमएसएमई क्षेत्र का निर्यात बढ़ाने में ली जाएगी वर्ल्ड मार्केट इंटेलिजेंस नेटवर्क की मदद

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे ने मंगलवार को कहा कि सरकार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र से देश का निर्यात बढ़ाने के लिए वैश्विक बाजार आसूचना नेटवर्क (इंटेलिजेंस नेटवर्क) स्थापित कर रही है। वैश्विक बाजार 'आसूचना नेटवर्क' विदेशी बाजारों पर निर्यात से संबंधित आंकड़ों के मामले में ज्ञान के भंडार के रूप में कार्य करेगा और एमएसएमई निर्यातकों के लिए आसान बाजार पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा।

एमएसएमई मंत्रालय और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (ईडीआईआई) द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम मंत्री राणे ने कहा कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत बनाने को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान आसान ऋण, बेहतर प्रौद्योगिकी सहायता और निर्यात बाजारों तक पहुंच प्रदान करने पर है। हम चाहते है कि

हमारा एमएसएमई क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बने और विकसित हो।' राणे ने कहा कि एमएसएमई मंत्रालय एक वैश्विक बाजार 'इंटेलिजेंस नेटवर्क' स्थापित कर रहा है जो एमएसएमई निर्यात में मदद करेगा। एक अनुमान के अनुसार, देश का एमएसएमई क्षेत्र निर्यात में 45 प्रतिशत योगदान करता है। इस खंड से निर्यात बढ़ाने की काफी संभावना है। हालांकि, व्यापार से संबंधित भरोसेमंद आंकड़ों की कमी प्रमुख बाधा है। इससे एमएसएमई क्षेत्र नए बाजार में अवसरों का उपयोग कर वास्तविक निर्यात क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा। मंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से एमएसएमई क्षेत्र को देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गतिशील विकास इंजन बनाने को लेकर रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अधिक शोध और नवोन्मेष तथा नए व्यावसायिक विचारों की जरूरत है।

मंत्री ने कहा कि ईडीआईआई जैसे संस्थान एमएसएमई को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद कर सकते है।